



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 31]

नई दिल्ली, सोमवार, जनवरी 30, 1984/साघ 10, 1905

No. 31]

NEW DELHI, MONDAY, JANUARY 30, 1984/MAGHA 10, 1905

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

बाणिज्य मंत्रालय

(वस्त्र विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 30 जनवरी, 1984

का० आ० 40(अ)—केंद्रीय सरकार उद्योग (विकास और
विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 9 की
उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए अनुसूचित वस्त्र
उद्योग में पूर्णतः या भागतः जूट से विनिर्मित या उत्पादित ऐसे माल के
बर्गों का जो नीचे की सारणी के सतभ (2) में उल्लिखित हैं, विनिर्दिष्ट
करती है जिन पर उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए उपकरण के रूप
में उत्पाद-शुल्क का, राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख
से ही प्रारंभ होने वाली अवधि से 29 फरवरी, 1984 तक, जिसमें
यह तारीख भी सम्मिलित है, उक्त सारणी के स्तंभ (3) में की तत्स्थानों
प्रवृत्ति में विनिर्दिष्ट दर पर उद्ग्रहण और संग्रहण किया जाएगा।

सारणी

क्रम सं०	माल के वर्ग का वर्णन	उत्पादन-शुल्क की दर प्रति टन
1	2	3
1.	कालीन श्रेष्ठक	8.50 रु० (केवल आठ रु० पचास पैसे)

1	1	1
2.	टाट, कालीन पृष्ठक और सूती बोंरा वस्त्र से विनिर्मित हेमोन और जूट फेब्रिक।	7.00 रु० (केवल सात रुपये)
3.	टाट	5.62 रु० (केवल पांच रुपये आसठ पैसे)
4.	सूत	5.62 रु० (केवल पांच रुपये आसठ पैसे)
5.	डोरी	3.75 रु० (केवल तीन रुपये पचाहत्तर पैसे)
6.	सूती बोंरा वस्त्र	2.50 रु० (केवल दो रुपये पचास पैसे)
7.	(उपरोक्त क्रम सं 1-6 में विनिर्दिष्ट विनिर्माणों से निम्न) विनिर्माण जिनमें जूट भार के आधार पर 50 प्रतिशत या उससे अधिक हैं।	6.25 रु० (केवल छह रुपये पचास पैसे)

[का० सं० 5/20/83-ई०पी०(रो.एण्ड जे.)-III]
जे० के० बागची, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF COMMERCE

(Department of Textiles)

ORDER

New Delhi, the 30th January, 1984

S.O. 40(E).—In exercise of the powers conferred by subsection (1) of section 9 of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby specifies the classes of goods manufactured or produced wholly or in part of jute in the Scheduled Industry of Textiles as mentioned in column (2) of the Table below on which a duty of excise shall be levied and collected as a cess for the purposes of the said Act, for the period commencing on and from the date of publication of this notification in the Official Gazette and upto and inclusive of the 29th February 1984, at such rates as specified in the corresponding entry in column (3) of the said Table.

TABLE

S. Description of class No. of goods		Rate of duty of excise per tonne
(1)	(2)	(3)
1.	Carpet backing	Rs. 8.50 (Rupees Eight and Paise fifty only).

(1)	(2)	(3)
2.	Hessian and jute fabrics other than sacking, carpet backing and cotton bagging.	Rs. 7.00 (Rupees seven only).
3.	Sacking	Rs. 5.62 (Rupees Five and Paise sixty two only).
4.	Yarn	Rs. 5.62 (Rupees Five and Paise sixty two only).
5.	Twine	Rs. 3.75 (Rupees Three and Paise Seventy five only).
6.	Cotton bagging	Rs. 2.50 (Rupees two and Paise fifty only).
7.	The manufactures (other than those specified at Sl. No. 1-6 above) containing 50% or more of jute by weight.	Rs. 6.25 (Rupees six and Paise twenty five only).

[File No. 5/20/83-EP (T&J) III]

J. K. BAGCHI, Jt. Secy.